Result Mitra Daily Magazine

मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति : क्लाउडिया शिनबाम

चर्चा में क्यों

- हाल ही में सम्पन्न राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों के आधार पर मेक्सिको में पहली बार किसी महिला (क्लाउडिया शिनबाम) ने जीत दर्ज कर राष्ट्रपति का पद प्राप्त किया है ।

प्रमुख बिन्दु

- राष्ट्रपति विजेता क्लाउडिया शिनबाम की जीत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश के 200 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब कोई महिला राष्ट्रपति चुनी गई है ।
- उल्लेखनीय है कि क्लाउडिया शिनबाम पेशे से एक जलवायु वैज्ञानिक और मेक्सिको सिटी की पूर्व मेयर रह चुकी है ।
- 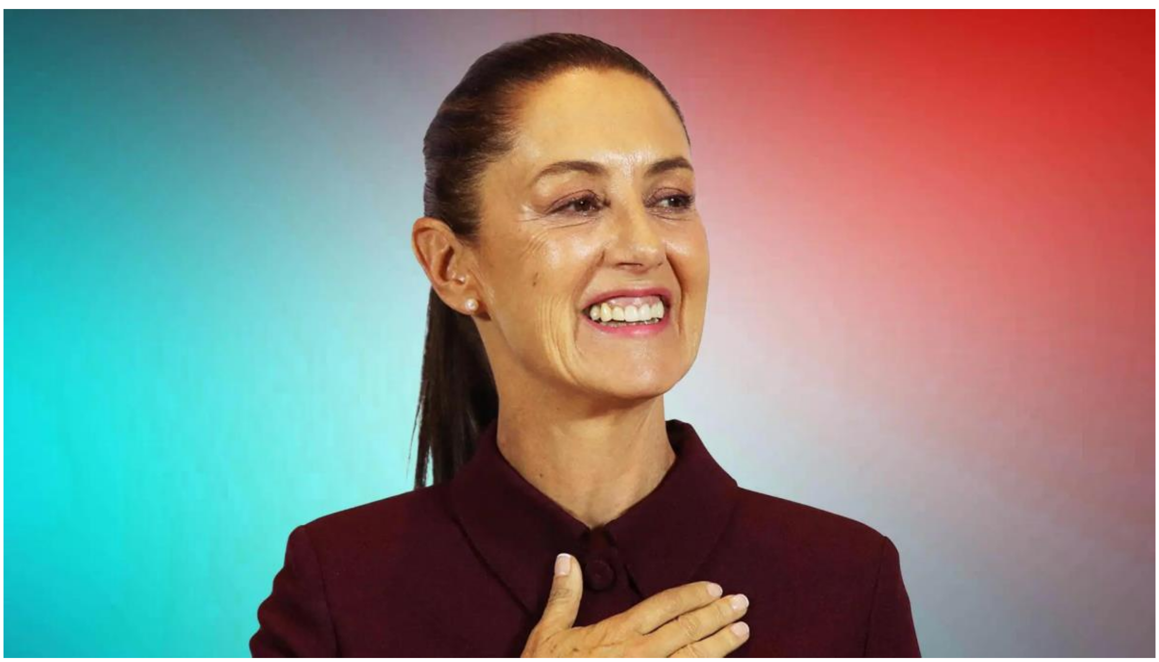

चुनाव परिणाम

- राष्ट्रपति चुनाव में क्लाउडिया शिनबाम के साथ दो अन्य प्रत्याशी
- ज़ोचिटल गैल्वेज़ और जॉर्ज अल्वारेज़ मायनेज़ थे ।

- मेक्सिको के राष्ट्रीय चुनाव संस्थान के अनुसार सुश्री शिनबाम को लगभग 58.3% से 60.7% वोट मिले।
- वही विपक्षी उम्मीदवार ज़ोचिटल गैल्वेज़ (दूसरी महिला प्रत्याशी) को 26.6% से 28.6% वोट और जॉर्ज अल्वारेज़ मायनेज़ को 9.9% से 10.8% वोट प्राप्त हुए।
- यह मेक्सिको में पहली बार था कि दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी महिलाएँ थीं।
- विजेता प्रत्याशी क्लाउडिया शिनबाम सत्तारूढ़ 'मोरेना पार्टी' की ही घोषित उम्मीदवार थी । वह इस चुनाव से पूर्व तक राष्ट्रपति रहे एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर की जगह चुनाव लड़ रही थी ।
- उल्लेखनीय है कि शिनबाम , एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर को अपना राजनीतिक गुरु मानती है और इस चुनाव अभियान में भी उन्होनें इन्ही की नीतियों को आगे बढ़ाने की बात की थी ।
- उल्लेखनीय है कि लोपेज़ ओब्रेडोर को मैक्सिकन राजनीति का पितामह माना जाता है ।
- उनके कार्यकाल के दौरान, लाखों मैक्सिकन गरीबी से बाहर निकले और उनकी न्यूनतम मजदूरी लगभग दोगुनी हो गई।
- एंड्रेस ओब्रेडोर के राष्ट्रपति बनने से पूर्व जब वह वर्ष 2000 में मेक्सिको सिटी के मेयर बने थे तो उन्होनें जो कैबिनेट नियुक्त की, उसमें आधी महिलाएं और आधे पुरुष थे। साथ ही उन्होंने पर्यावरण इंजीनियर शीनबाम को अपना पर्यावरण सचिव नियुक्त किया था ।
- हालांकि उन पर ध्रुवीकरण के भी आरोप लगते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि वे अपने कार्यकाल के दौरान बड़े पैमाने पर हुई कार्टेल हिंसा को नियंत्रित करने में विफल रहे। इसके अतिरिक्त उन पर देश की स्वास्थ्य प्रणाली को बाधित करने और लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए भी आरोप लगते रहे है ।

अन्य तथ्य

- विजेता प्रत्याशी क्लाउडिया शिनबाम मेक्सिको के इतिहास की पहली यहूदी राष्ट्रपति भी हैं।
- उल्लेखनीय है कि मेक्सिको में सबसे बड़ी आबादी कैथोलिक की है । यह संख्या देश की कुल 130 मिलियन संख्या में लगभग 59,000 है।
- यहूदी समुदाय से आने के बाद राष्ट्रपति के रूप में चुना जाना इसलिए भी विशेष है क्योंकि एक कैथोलिक बहुसंख्यक राष्ट्र में यहूदियों को मूल देश तक का नहीं माना जाता है ।
- पिछले साल राष्ट्रपति पद के दावेदार के रूप में उभरने के बाद, शीनबाम को भी अपने ऑरिजन और एक मैक्सिकन के रूप में अपनी छवि बनाने में मशक्कत करनी पड़ी थी ।

मेक्सिको में लोकतंत्र की शुरुआत

- मेक्सिको में लंबे समय (1521-1821)से स्पेनिश का साम्राज्य रहा है ।
- वर्ष 1821 में मेक्सिको को स्पेनिश से स्वतंत्रता प्राप्त हुई ।
- तत्पश्चात वर्ष 1824 में संविधान के तहत एक संघीय गणराज्य की स्थापना की गई ।
- हालांकि 1855 तक मेक्सिको की राजनीति में एक राजनीतिज्ञ-जनरल एंटोनियो लोपेज़ डे सांता अन्ना का अधिक प्रभाव रहा ।

- तत्पश्चात लोकतंत्र के समर्थक और उदारवादियों ने 1857 के संविधान का मसौदा तैयार कर उसे मंजूरी प्रदान की । इस नये परिवर्तनों के साथ जहां सार्वभौमिक पुरुष मताधिकार प्रदान किए गए वही चर्च और सेना के विशेषाधिकारों को समाप्त किया गया।
- हालांकि यह परिवर्तन सांता अन्ना के समर्थक जिन्हें रूढ़िवादी कहा जाता था और उदारवादियों के बीच एक गृह युद्ध का रूप ले लिया ।
- 1862 में रूढ़िवादियों के गुट से मैक्सिमिलियन हैब्सबर्ग को देश के सम्राट का ताज पहनाया गया।
- पोर्फिरियाटो युग :- इसे मेक्सिको की राजनीति में 1876 से 1911 का समय माना जाता है , जब पोर्फिरियो डिआज़ का राष्ट्रपतित्व काल रहा । यह 1876 में सैन्य तख्तापलट के बाद सत्ता में आए थे और 1910 तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता में रहे थे।
- 1910 में डिआज़ के प्रति बढ़ते आक्रोश ने मेक्सिको में क्रांति का रूप ले लिया जिसे हम मैक्सिकन क्रांति के नाम से जानते है ।
- क्रांति के परिणामस्वरूप 5 फ़रवरी 1917 को पुन: एक नए संविधान का निर्माण हुआ।
- 1953 में महिलाओं के मताधिकार की शुरुआत हुई ।
- इस संविधान परिवर्तन के अनुसार अब नियमित कार्यकाल के बाद चुनाओं का प्रावधान किया गया व एक बार राष्ट्रपति चुने जाने के बाद पुन: उसके चुनाव लड़ने पर रोक लगाई गई ।
- हालांकि इस दौर में भी वर्तमान राष्ट्रपति अक्सर अपने विश्वास पात्र उतराधिकारी को ही चुनाव उम्मीदवार घोषित करते थे ।
- यही कारण है कि संस्थागत क्रांतिकारी पार्टी (PRI) ने लगभग 1988 तक एक पार्टी राज्य के रूप में देश में शासन किया ।
- मैक्सिकन राजनीति में पुन: वर्ष 2000 में बदलाव देखा गया जब रूढ़िवादी विपक्षी नेशनल एक्शन पार्टी (पीएएन) के उम्मीदवार विसेंट फॉक्स ने राष्ट्रपति चुनाव जीता।
- आगे वर्ष 2006 में भी पीएएन के ही अगले उम्मीदवार फेलिप काल्डेरोन ने राष्ट्रपति का चुनाव जीता ।
- वर्ष 2012 में पुन: पीआरआई पार्टी के उम्मीदवार एनरिक पेना नीटो राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता ।
- हालांकि पीआरआई पार्टी से ही निकली नेशनल रीजनरेशन मूवमेंट (मोरेना) के उम्मीदवार एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर देश के नए राष्ट्रपति चुने गए ।
- हाल ही में राष्ट्रपति का चुनाव जीती क्लाउडिया शिनबाम इसी मोरेना पार्टी की उम्मीदवार है ।

मेक्सिको की भौगोलिक स्थिति

- मेक्सिको उत्तरी अमेरिका के दक्षिणी भाग में स्थित देश है ।
- सीमाएं
- उत्तर - संयुक्त राज्य अमेरिका
- पश्चिम और दक्षिण - प्रशांत महासागर
- पूर्व - मैक्सिको की खाड़ी
- दक्षिण-पूर्व - बेलीज़ , ग्वाटेमाला और कैरेबियन सागर

- भाषा - स्पेनिश भाषी
- राजधानी - मेक्सिको सिटी
- मुद्रा - मेक्सिकन पेसो
- सबसे लंबी नदी - रियो ग्रांडे